विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ,लक्खीसराय

वर्ग-दशम्

विषय-हिन्दी

।। प्रश्न-अभ्यास ।।

सूरदास के पद

निर्देश-

पिछले पाठ्य-सामग्री से शेष प्रश्नोत्तर को आज दिया जा रहा है-

प्रश्न-7: गोपियों ने उधव से योग की शिक्षा कैसे लोगों को देने की बात कही है?

उत्तर-: गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा ऐसे लोगों को देने के लिए कही है जिनका मन चक्र के समान अस्थिर रहता है तथा एक जगह न टिक कर इधर-उधर भटकता रहता है।

प्रश्न-8- प्रस्तुत पदों के आधार पर गोपियों का योग-साधना के प्रति दृष्टिकोण स्पष्ट करें

उत्तर-: सूरदास द्वारा रचित इन पदों में गोपियों की कृष्ण के प्रति एकनिष्ठ प्रेम, भक्ति, आसक्ति और स्नेहमयता प्रकट हुई है जिस पर किसी अन्य का असर अप्रभावित रह जाता है । गोपियों पर श्री कृष्ण के प्रेम का ऐसा रंग चढ़ा है की खुद कृष्ण का भेजा योग संदेश कड़वी ककड़ी और रोग व्याधि के समान लगता है।

प्रश्न-9- गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए?

उत्तर-: गोपियां राज धर्म के बारे में बताती हुई उद्धव से कहती हैं कि राजा का कर्तव्य यही है कि वह अपनी प्रजा की भलाई की बात ही हर समय सोचे उसे अपनी प्रजा को बिलकुल भी नहीं सताना चाहिए ।

प्रश्न-10-गोपियों को कृष्ण में ऐसे कौन से परिवर्तन दिखाई दिए जिनके कारण वे अपना मन वापस पा लेने की बात कहती हैं?

उत्तर-: गोपियों को कृष्ण में ऐसे अनेक परिवर्तन दिखाई दिए जिनके कारण वे अपना मन श्री कृष्ण से वापस पाना चाहती –

> श्री कृष्ण ने अब राजनीति पढ़ लिया है जिससे उनके व्यवहार में छल कपट आ गया है।

> श्री कृष्ण को अब प्रेम की मर्यादा पालन का ध्यान नहीं रह गया है।

10-गोपियों को कृष्ण में ऐसे कौन से परिवर्तन दिखाई दिए जिनके कारण वे अपना मन वापस पा लेने की बात कहती हैं?

उत्तर-: गोपियों को कृष्ण में ऐसे अनेक परिवर्तन दिखाई दिए जिनके कारण वे अपना मन श्री कृष्ण से वापस पाना चाहती –

> श्री कृष्ण ने अब राजनीति पढ़ लिया है जिससे उनके व्यवहार में छल कपट आ गया है।

> श्री कृष्ण को अब प्रेम की मर्यादा पालन का ध्यान नहीं रह गया है।

> श्री कृष्ण अब राजधर्म भूलते जा रहे हैं।

> दूसरों के अत्याचार छुड़ाने वाले श्री कृष्ण अब स्वयं अनीति पर उतर आए हैं।

प्रश्न-11- गोपियों ने अपने वाक् चातुर्य के आधार पर ज्ञानी उधव को परास्त कर दिया उनके वाक् चातुर्य की विशेषताएं लिखिए?

उत्तर-: गोपियों के वाक चातुर्य की निम्नलिखित विशेषताएं हैं

> गोपियां व्यंग्य करने में प्रवीण है उधव को बड़भागी कहकर उन पर करारा व्यंग्य करती है।

> गोपियां उधव से अपनी बातें बिना लाग लपेट कह देती हैं।

› गोपियां उधव से अपनी बातें बिना लाग लपेट कह देती हैं।

› गोपियां अपनी बातें कहते-कहते भावुक भी हो जाती हैं |

› गोपियों की बातों में उपालंभ का भाव निहित है, वे कृष्ण को अनिति करने वाले तक कह देती हैं।

प्रश्न-12-संकलित पदों को ध्यान में रखते हुए सूर के भ्रमरगीत की मुख्य विशेषताएं बताइए?

उत्तर- सूरदास के पदों के आधार पर भ्रमरगीत की कुछ विशेषताएं निम्नलिखित –

› सूरदास के भ्रमरगीत में विरह व्यथा का मार्मिक वर्णन है

› इस गीत में सगुण ब्रह्म की सराहना है

› गोपियों का कृष्ण के प्रति एकनिष्ठ प्रेम का प्रदर्शन है।

› उद्धव के ज्ञान पर गोपियों के वाक चातुर्य और प्रेम की विजय का चित्रण है।

› पदों में गेयता और संगीतात्मकता का गुण है।

सूरदास के पद की रचना और अभिव्यक्ति

प्रश्न-1: गोपियों ने उद्धव के सामने तरह-तरह के तर्क दिए हैं आप अपनी कल्पना से और तर्क दीजिए।

विद्यार्थी स्वयं करें

प्रश्न-2: उद्धव ज्ञानी थे, नीति की बातें जानते थे, गोपियों के पास ऐसी कौन सी शक्ति थी जो उनके वाक् चातुर्य में मुखरित हो उठी?

उत्तर-:उधव ज्ञानी थे, नीति की बातें जानते थे परंतु उन्हें व्यावहारिकता का अनुभव नहीं था। गोपियां कृष्ण के प्रति असीम अथाह लगाव रखती थी जबकि उधव को प्रेम जैसी